Seat No. : _____

MP-210(H)

May-2025

B.A., Sem.-IV
SE-211 : Sociology
(Sociology of Family)

Time : 2:30 Hours] **[Max. Marks : 70**

(Hindi Version)

निर्देश : सभी प्रश्नों के समान अंक हैं ।

1. कुटुंब के समाजशास्त्र के अध्ययन का महत्व समझाइए । **14**

अथवा

1. भारत में कुटुंब के समाजशास्त्र का स्वरूप समझाइए । **14**

2. कुटुंब के उद्‌भव से संबंधित उत्क्रांतिवादी सिद्धांत का वर्णन कीजिए । **14**

अथवा

2. कुटुंब की मुख्य संकल्पनाओं के रूप में संयुक्त कुटुंब एवं विभक्त कुटुंब का वर्णन कीजिए । **14**

3. भारतीय कुटुंब के संरचनात्मक पहलुओं का वर्णन कीजिए । **14**

अथवा

3. स्वतंत्र भारत में भारतीय कुटुंब में आए परिवर्तनों की चर्चा कीजिए । **14**

4. तलाक क्या है ? तलाक के कारणों की चर्चा कीजिए । **14**

अथवा

4. घरेलू हिंसा के कारणों की चर्चा कीजिए । **14**

5. निम्न कथनों में से सही या गलत बताइए : (कोई **सात**) **14**

(1) कुटुंब एक सगौत्र समूह है ।
(2) "हिंदू सामाजिक संगठन" इरावती कर्वे की अध्ययन पुस्तक है ।
(3) भारतीय समाज में स्त्री जीवन नीरा देसाई का अध्ययन ग्रंथ है ।
(4) शास्त्रीय सिद्धांत के अनुसार कुटुंब का मूल रूप पितृसत्तात्मक था ।
(5) वेस्टरमार्क ने एक साथी कुटुंब का सिद्धांत प्रस्तुत किया ।
(6) नियोग प्रथा प्राचीन भारत में प्रचलित थी ।
(7) सगौत्र संबंध मात्र विवाह संबंधों द्वारा बनते हैं ।
(8) सिंगल पेरेन्ट फैमिली का अर्थ है अपूर्ण प्राथमिक कुटुंब ।
(9) पारंपरिक भारतीय कुटुंब में समान शक्ति वितरण था ।
(10) हिंदू विवाह अधिनियम, 1955 पूरे भारत में लागू है ।
(11) वैधानिक पृथकवास का अर्थ है तलाक ।
(12) दहेज प्रथा को करियावर के रूप में भी जाना जाता है ।